



# पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जैनपुर

दिल्ली-पठाना मुक्तिविद्यालय, जैनपुर

सी० ए० ए० सी० (दुर्गावती वर्ग) परीक्षा १९७७

65

संस्थापक संस्था

संस्थापक संस्था

नाम वा नाम की सीमांतिका

संस्थापक संस्था

विद्यार्थी का नाम

| विषय             | अधिकतम अंक | प्राप्त अंक | द्वितीय | तृतीय | चतुर्थ | पंचम | सांकेतिक परीक्षा | कुल अंक | अन्य विवरण                         |
|------------------|------------|-------------|---------|-------|--------|------|------------------|---------|------------------------------------|
| भाषा-सहित        | 100/20     |             |         |       |        |      |                  |         | दे जल-सम्पूर्ण अंक में जो अंक बाकी |
| भाषा-सहित        | 100/20     |             |         |       |        |      |                  |         |                                    |
| गणित             | 90/20      | 45          | 32      | 29    | 30     | 137  | -                | 137     |                                    |
| सांकेतिक परीक्षा |            | 25          | 32      | 20    | 20     | 100  | 28               | 128     | परीक्षा                            |
| बोधिनी           | 300/99     |             |         |       |        |      |                  |         | सर्वोत्कृष्ट                       |
| सटीक विज्ञान     | 300/90     |             |         |       |        |      |                  |         | उत्कृष्ट                           |
| सूत्र            | 300/90     |             |         |       |        |      |                  |         |                                    |
| अभिनव            | 300/99     |             |         |       |        |      |                  |         | सर्वोत्कृष्ट                       |

संस्थापक संस्था - दुर्गावती वर्ग के छात्रों का अंक

600/198

315

संस्थापक संस्था - प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के छात्रों का अंक

1200/800

641

संस्थापक संस्था - प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के छात्रों का सम्पूर्ण अंक

1500/801

956

संस्थापक संस्था (सटीक में) *संस्थापक संस्था*

संस्थापक संस्था

संस्थापक संस्था

दिनांक 20/11/77

संस्थापक संस्था  
प्रमुख  
E. H. G.